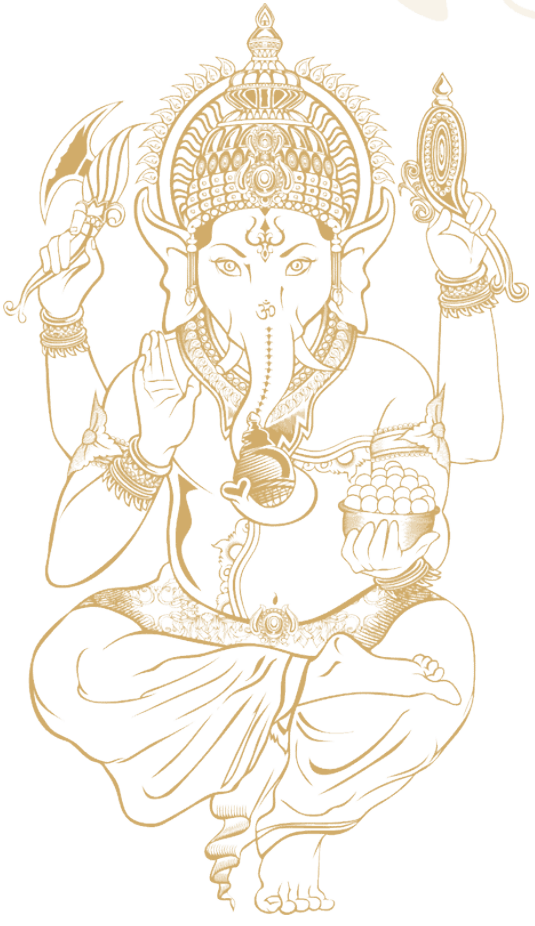

Nikhil Singh

08 Feb 1993

06:10 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121599105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**7-08/02/1993**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**06:10:00 घंटे**
इष्ट	57:40:06 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:48:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:11 घंटे
साम्पातिक काल	15:01:24 घंटे
सूर्योदय	07:05:57 घंटे
सूर्यास्त	18:04:55 घंटे
दिनमान	10:58:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:29:58 मकर
लग्न के अंश	08:01:12 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शोभन
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	08:01:12	403:31:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			मक	25:29:58	01:00:44	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	10:09:56	15:15:28	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल	व		मिथु	15:14:56	00:05:38	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			कुंभ	06:51:03	01:46:19	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु	व		कन्या	20:46:11	00:01:54	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	10:58:24	00:49:31	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शनि		अ	मक	26:58:01	00:07:14	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	25:53:16	00:08:59	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	25:53:16	00:08:59	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	सम राशि
हर्ष			धनु	26:06:22	00:03:13	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
नेप			धनु	25:59:33	00:02:02	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	01:39:13	00:00:40	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			तुला	24:03:22	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:57

लग्न-चलित

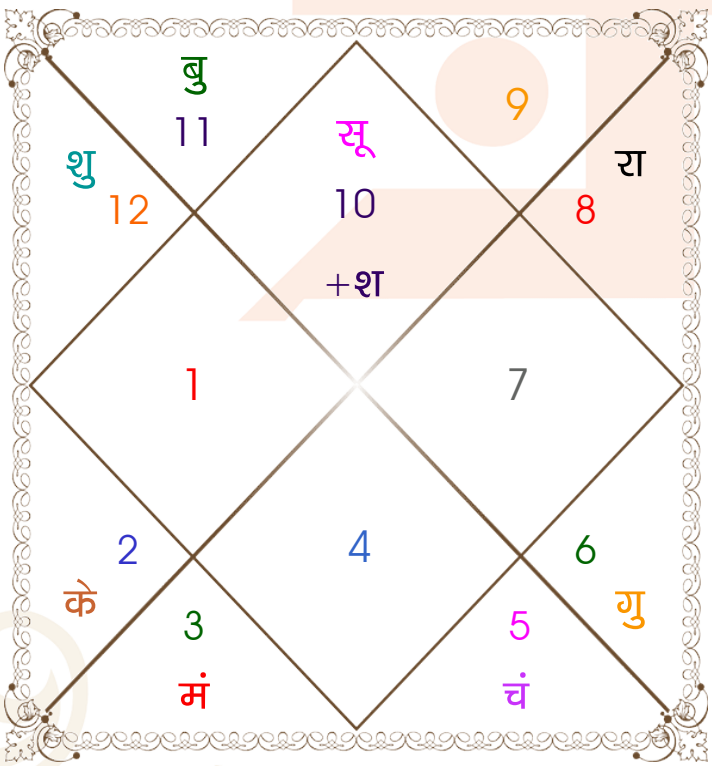

चन्द्र कुंडली

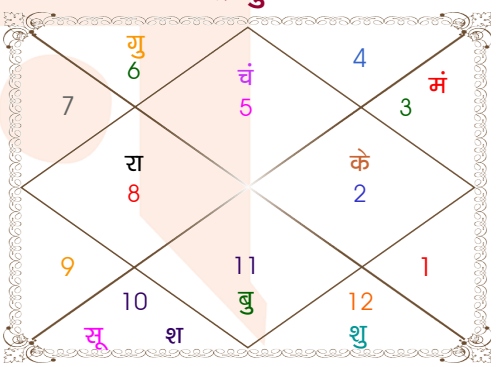

नवमांश कुंडली

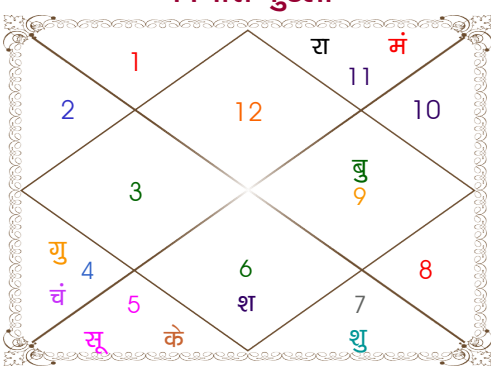

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 7 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/02/1993		08/10/1994		08/10/2014		08/10/2020		08/10/2030	
08/10/1994		08/10/2014		08/10/2020		08/10/2030		08/10/2037	
	00/00/0000	शुक्र	07/02/1998	सूर्य	26/01/2015	चंद्र	08/08/2021	मंगल	06/03/2031
	00/00/0000	सूर्य	07/02/1999	चंद्र	27/07/2015	मंगल	09/03/2022	राहु	24/03/2032
	00/00/0000	चंद्र	08/10/2000	मंगल	02/12/2015	राहु	08/09/2023	गुरु	28/02/2033
	00/00/0000	मंगल	08/12/2001	राहु	26/10/2016	गुरु	07/01/2025	शनि	09/04/2034
	00/00/0000	राहु	08/12/2004	गुरु	14/08/2017	शनि	08/08/2026	बुध	06/04/2035
	00/00/0000	गुरु	09/08/2007	शनि	27/07/2018	बुध	08/01/2028	केतु	02/09/2035
	08/02/1993	शनि	08/10/2010	बुध	03/06/2019	केतु	08/08/2028	शुक्र	01/11/2036
शनि	11/10/1993	बुध	08/08/2013	केतु	08/10/2019	शुक्र	09/04/2030	सूर्य	09/03/2037
बुध	08/10/1994	केतु	08/10/2014	शुक्र	08/10/2020	सूर्य	08/10/2030	चंद्र	08/10/2037

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/10/2037		08/10/2055		08/10/2071		08/10/2090		09/10/2107	
08/10/2055		08/10/2071		08/10/2090		09/10/2107		00/00/0000	
राहु	20/06/2040	गुरु	26/11/2057	शनि	11/10/2074	बुध	06/03/2093	केतु	07/03/2108
गुरु	14/11/2042	शनि	08/06/2060	बुध	20/06/2077	केतु	03/03/2094	शुक्र	07/05/2109
शनि	20/09/2045	बुध	14/09/2062	केतु	30/07/2078	शुक्र	01/01/2097	सूर्य	12/09/2109
बुध	08/04/2048	केतु	21/08/2063	शुक्र	29/09/2081	सूर्य	07/11/2097	चंद्र	13/04/2110
केतु	27/04/2049	शुक्र	21/04/2066	सूर्य	11/09/2082	चंद्र	09/04/2099	मंगल	09/09/2110
शुक्र	26/04/2052	सूर्य	07/02/2067	चंद्र	11/04/2084	मंगल	06/04/2100	राहु	27/09/2111
सूर्य	21/03/2053	चंद्र	08/06/2068	मंगल	21/05/2085	राहु	24/10/2102	गुरु	02/09/2112
चंद्र	20/09/2054	मंगल	15/05/2069	राहु	27/03/2088	गुरु	29/01/2105	शनि	09/02/2113
मंगल	08/10/2055	राहु	08/10/2071	गुरु	08/10/2090	शनि	09/10/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 7 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मकर लग्न में मीन राशि के नवमांश एवं मकर राशि के द्रेष्काण के उदय काल में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति यह निर्दिष्ट कर रहा है कि आपका जीवन सौभाग्यशाली रहेगा। आपकी अभिलाषा के अनुकूल आपकी अच्छी बहुमत रहेगी। जो अनेक रिक्तियों की पूर्ति करेगा तथा भरपूर धनोपार्जन के लिए समर्थ होंगे। आप एक उत्साही व्यक्ति हैं। यह प्रदर्शित होता है, तथा आपकी अभिरूचि दर्शन शास्त्र अध्ययन की रहेगी। आप एक धार्मिक व्यक्ति हैं। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण करेंगे। आपकी आत्मा उदार है तथा आप स्वयं सेवी दान सेवी संस्था को दान प्रदान करेंगे।

आप एक ऐसा व्यक्ति हैं जो समाज में एक स्तम्भ की भांति विचारणीय है। आप मेधावी एवं बुद्धिमान हैं। आप किसी भी व्यक्ति को प्रभावित कर उसे मर्यादित एवं मानवता के गुणों से युक्त करेंगे। इस प्रकार अनेक व्यक्ति आपके निर्देशन हेतु पहुंचेगे तथा आप उनको संतुष्टि प्रदान करेंगे।

आप एक अधिकार प्राप्त करेंगे एवं धनी व्यक्तियों की दृष्टि में आदरणीय होंगे। वे सभी आपकी सहायता के लिए प्रवृत होंगे तथा आप उन लोगों से काफी संपत्ति उपार्जित करेंगे। आप एक मितव्ययी प्राणी होंगे तथा आर्थिक मामले में पूर्ण सतर्क रहेंगे। आप अपने धन को अच्छे कार्यो में व्यय करेंगे तथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के सुखदायक वातावरण का सृजन करेंगे। आपके उत्तम संतान होंगे। इस संबंध में आप भाग्यशाली हैं। वे अपने परिवार के नाम और प्रसिद्धि को बरकरार रखेंगे।

आपके लिए एक महत्वपूर्ण विषय पर विचार करना आवश्यक है कि आपके द्वारा लापरवाही करना निराशाजनक प्रवृति का द्योतक है। अपने कार्य व्यवसाय को संपादन करने में रूकावट करना ठीक नहीं हैं। आप किसी कार्य के विपरीत संकेत पाकर आपका हृदय टूट जाता है। आप धैर्यपूर्वक दोनों हाथों से कार्य व्यवसाय के संबंध में समुचित राह अपनाएं एवं हर दशा में कार्य में सफलता प्राप्त करें। अन्यथा आप रोगों को आमंत्रित करेंगे। यथा दुर्बलता एवं वायु एवं उदर रोग से आक्रांत हो जाएंगे। आप अन्य रोगादि के प्रतिकूल सतर्कता बरते तथा अपने पाचन क्रिया से संबंधित रोगों के प्रति भी सुरक्षात्मक कदम उठाएं।

अतएव आपको निर्दिष्ट किया जाता है कि छोटे-छोटे दैहिक रोगादि से क्षति ग्रस्त होने की आशंका है, अतः अकस्मात् छलांग लगाना अथवा ऊंचाई से गिर जाना आदि। ये सभी रोगादि को सुनिश्चिता नहीं है परंतु आपको प्रभावित कर सकता है। परंतु आपको इन रोगादि की संभावनाओं के प्रति विचार करना चाहिए तथा पहले से ही अपने स्वास्थ्य का संरक्षण करना सामान्यतया अच्छा होता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली एवं अनुकूल दिन शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार का दिन है। परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल चिंताकारक एवं व्ययकारक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 6, 9 एवं 8 अंक हैं। अंक 3 आपके लिए परेशानी वाला है। अतः इस अंक का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे। कृपया पीला एवं क्रीम रंग का परित्याग करें।